हमारे साथ श्री रघुनाथ
(जय श्री राम)

हमारे साथ श्री रघुनाथ तो,
किस बात की चिंता,
शरण में रख दिया जब माथ तो,
किस बात की चिंता ||

किया करते हो तुम दिन रात क्यों,
बिन बात की चिंता..(x2)
तेरे स्वामी को रहती है,
तेरी हर बात की चिंता..(x2)
हमारें साथ श्री रघुनाथ तो,
किस बात की चिंता ||

ना खाने की ना पीने की,
ना मरने की ना जीने की..(x2)
रहे हर स्वास पर भगवान के,
प्रिय नाम की चिंता..(x2)
हमारें साथ श्री रघुनाथ तो,
किस बात की चिंता ||

विभिषण को अभय वर दे किया,
लंकेश पल भर में..(x2)
उन्ही का कर रहे गुणगान तो,
किस बात की चिंता..(x2)
हमारें साथ श्री रघुनाथ तो,
किस बात की चिंता ||

हुई ब्रजेश पर किरपा,
बनाया दास प्रभु अपना..(x2)
उन्ही के हाथ में अब हाथ तो,
किस बात की चिंता..(x2)
हमारें साथ श्री रघुनाथ तो,
किस बात की चिंता ||

हमारे साथ श्री रघुनाथ तो,
किस बात की चिंता,
शरण में रख दिया जब माथ तो,
किस बात की चिंता ||